एक नजर में

दादू महाराज ने दीक्षा के साथ दिए बिल्व पत्र पौधे

पेटलावद. डॉक्टर दादू महाराज जी का पेटलावद नगर के भक्तों के द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर स्मृति चिन्ह व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। डॉ. दादू महाराज संस्थान द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव इस वर्ष गांधी हॉल में अपार श्रद्धा, भव्यता और आध्यात्मिकता के साथ सम्पन्न हुआ। इसके उपरांत दादू महाराज ने शिष्यों को गुरु मंत्र दीक्षा प्रदान की और उन्हें बिल्व पत्र का पौधा भेंट किया। सभी शिष्यों को यह संकल्प भी दिलवाया गया कि वे पौधे की पेड़ बनने तक देखभाल करेंगे। श्रावण मास में बिल्व पत्र की विशेष महिमा को ध्यान में रखते हुए, इस बार अतिथियों का स्वागत भी पुष्प मालाओं के स्थान पर पौधों से ही किया गया। गुरुजी द्वारा गुरु दीक्षा के साथ ही प्रत्येक शिष्य को मंत्र जाप की माला और मंत्र जाप गिनने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन भी दी गई, जिससे वे नियमित साधना में सक्षम बन सकें। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुंबई से पधारे बॉलीवुड गायक मोनू राठौर ने 卐जाको राखे साइयां卐 जैसे गीतों और भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, बालाजी टेलीफिल्म्स के सीरियल्स में कोरियोग्राफर रहे और %नागिन% फेम शशि डेक्शन ने अपनी विशेष प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गुरु चरणों में पाद पूजन और प्रवचन का आयोजन भी हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए शिष्यों ने भाग लिया। संस्थान के राम मूंदड़ा ने बताया कि परंपरा अनुसार इस वर्ष भी शहर के पांच प्रतिष्ठित समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कांतिलाल बम (शिक्षा क्षेत्र), रमेश मूलचंदानी (क्वींस कॉलेज), अभिषेक झा (वेदांश इंटरनेशनल स्कूल), नवीन गोधा (समाज सेवा व धर्म कार्य), मधुसूदन धनगर (सीहोर) को समाज में एकजुटता हेतु योगदान का किया गया। इन सभी को शॉल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह व बिल्व पत्र का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम देर रात्रि तक चला और श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक ऊर्जा व संगीत से परिपूर्ण वातावरण में गुरुपूर्णिमा को अविस्मरणीय बना दिया। पेटलावद से अशोक वर्मा, हरीश राठौड़, अंशुल वर्मा, पियूष राठौड़, राज वर्मा और भंवर आदि भक्तो के द्वारा गुरु दीक्षा प्राप्त की गई।

50 यात्रियों का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

पेटलावद। अमरनाथ यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। क्षेत्र से भी सैकडों श्रद्वालु अमरनाथ यात्रा के लिए प्रतिदिन जा रहे है। इसी क्रम में शुक्रवार को पेटलावद नगर से 50 श्रद्वालुओं का एक जत्था बस के द्वारा अमरनाथ के लिए निकला। यात्रा पर जा रहे श्रद्वालुओं को नगर के वरिष्ठजनों,सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिवारजनों ने पुष्पहार पहनाकर उनका सम्मान कर यात्रा के लिए विदाई दी। इस मौके पर श्रद्वालुओं ने बम बम बोले के जयकारों से माहौल के धर्ममय कर दिया। 50 यात्रीयों के दल को लेकर बस क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के साथ साथ अमरनाथ और वैष्णोंदेवी मां के दर्शन भी करवाये जायेगें। यात्रा 15 दिन की रहेगी। यात्रा में मोहन लाल राठौड, हिरालाल राठौड,गोविंद राठौड, बद्रीलाल राठौड, बंटी राठौड आदि श्रद्वालु जा रहे है।

शिव पुराण धर्म, अर्थ,काम और मोक्ष चारों पुरूषार्थ प्रदान करता है

पेटलावद। शिव पुराण कलियुग में मनुष्यों के हित का परम साधन है। यह मनोवांछित फल को देने वाला है। शिव पुराण में चौबीस हजार श्लोक है। जिसमें सात संहिताएं है। शिव पुराण परब्रम्ह परमात्मा के सामन गति प्रदान करने वाला है। शिव पुराण में भगवान शिव का सर्वस्व है। यह निर्मल शिव पुराण धर्म,अर्थ,काम और मोक्ष चारो पुरूषार्थ को देने वाला है। शिव पुराण कथा के प्रथम दिन कथा के महत्व को बताते हुए पुराणवाचक विद्वावान पं. प्रफुल्ल शुक्ला ने उक्त बात कहीं। नगर के निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर पुरातन समय से चली आ रही शिवपुराण कथा प्रारंभ हुई कथा के प्रथम दिवस श्रद्वालु भक्तगण शिवपुराण कथा पौथी व पुराणवक्ता को ढोल ढमाकों के साथ शोभायात्रा के रूप में उनके निवास से मंदिर प्रांगण तक लाये। जहां पर भक्तों ने पुराणवाचक व पौथी की पूजन अर्चना की। इसके साथ ही प्रथम दिवस की कथा का श्रवण भी किया। जिसमें कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कथा को सुनने की विधि और किये जाने वाले आचरण पर प्रकाश डाला गया। कथा के शुभारंभ पर आरती का आयोजन किया गया और महाप्रसादी का वितरण किया गया। कथा 15 दिनों तक चलेगे। प्रतिदिन सुबह 11 बजे से प्रारंभ हो कर शाम 5 बजे तक कथा का वाचन किया जायेगा।

कैबिनेट मंत्री के प्रयासों से पेटलावद में सर्किट हाउस निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त

पेटलावद । कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया के प्रयासों से लोक निर्माण विभाग की स्थायी व्यय समिति की 289वीं बैठक में पेटलावद में 407.82 लाख की लागत सर्किट हाउस के निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई हैं। कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि पेटलावद क्षेत्र में सर्किट हाउस के निर्माण की आवश्यकता थी जिसके लिए शासन स्तर पर मांग की गई थी जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होना प्रसन्नता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने पर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री सुश्री भूरिया ने पेटलावद में 407.82 लाख के सर्किट हाउस की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने पर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया।

सुपोषित मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदम : मंत्री सुश्री भूरिया

झाबुआ। गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। उन्होने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19 हजार 500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की

जाएगी।

पोषण सुधार और तकनीकी नवाचार:- मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि एआईएमएस भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले। उन्होंने आगे बताया कि झाबुआ जिले में 卐मोटी आई कार्यक्रम और डिंडौरी जिले में रेवा प्रोजेक्ट जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं। वही सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के तहत अब तक 11 हजार से अधिक बालिकाओं को नि:शुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं।

महिला सुरक्षा और सहायता सेवाओं का विस्तार:- हेल्पलाइन 181 और 1098 का ईआरएसएस-112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया ।विगत छह महीनों में 86 हजार से अधिक मामलों में 91 प्रतिशत से अधिक का समाधान हुआ है। शक्ति निवास के माध्यम से कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित आवास की सुविधा दी जा रही है। इंदौर में 100-बेड का नया शक्ति निवास तैयार है, प्रदेश के चार और शहरों में निर्माण जारी है।

महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिये योजनाएं

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत हर माह 1.27 करोड़ महिलाओं को 1 हजार 250 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 38 हजार करोड़ से अधिक राशि वितरित की जा चुकी है। अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए राज्य स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वही मिशन वात्सल्य के अंतर्गत चार बड़े जिलों में कंपोजिट शेल्टर होम का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के तहत गरीब परिवारों के बच्चों को 4 हजार प्रति माह की सहायता और आफ्टर केयर बच्चों को 5 हजार की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। मंत्री सुश्री भूरिया ने केन्द्र सरकार के समक्ष योजनाओं को और प्रभावशाली बनाने के लिये सुझाव भी रखे।

410 योजनाओं को ऑनलाइन पोर्टल पर हर घर जल घोषित किया चुका है

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्टर सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में पीएचई. के सहायक यंत्री दयालु राठौड द्वारा बताया गया कि जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत कुल 716 योजनाओं में से 443 योजनाएं पूर्ण की गयी है एवं 270 योजनाओं के कार्य प्रगतिरत है। 3 योजनाओं में स्त्रोत प्राप्त नहीं होने के कारण उन योजनाओं को जल निगम की समूह योजना में सम्मिलित किया गया। पूर्ण योजनाओं में से 410 योजनाओं को ऑनलाइन पोर्टल पर हर घर जल घोषित दर्ज किया जा चूका है। 66 नलजल योजनाओं का ट्रायल रन 2 माह से अधिक समय से प्रगतिरत है। पूर्ण योजनाओं का सत्यापन ग्रामीण विकास के ज़मीनी अमले के माध्यम से करवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर द्वारा 70 प्रतिशत से कम प्रगति वाली योजनाओं की प्रगति आगामी 20 दिवस में 80

प्रतिशत से अधिक करने हेतु समस्त ए.ई., पीएचई को निर्देशित किया। भौतिक रूप से पूर्ण की जा चुकी योजनाओं को ऑनलाइन पोर्टल पर अतिशीघ्र अद्यतन करवाया जाये। प्रगतिरत योजनाओं को दिसंबर तक पूर्ण कराये जाने के प्रयास किये जाये। जो हस्तांतरित योजनाएं संचालन-संधारण के अभाव में बंद है उन ग्राम पंचायतों को योजनाएं चालू करने हेतु समस्त सीईओ जनपद पंचायत निर्देशित किया गया। योजनाओं को चालू करने हेतु आवश्यक तकनिकी मार्गदर्शन हेतु पीएचई को निर्देशित किया गया। सभी को निर्देशित किया गया कि कार्य की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए, कार्य गुणवत्तापूर्ण न होने पर व समय सीमा में ना किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही होगी। अत: सभी फील्ड पर सतत निरीक्षण व निगरानी रखें।

चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई करें

विकासखंड राणापुर के ग्राम दोतड की नलजल योजना हेतु स्त्रोत एवं टंकी निर्माण हेतु स्थल चयन नहीं होने की स्थिति में सीईओ जनपद पंचायत राणापुर को निर्देशित किया गया कि सरपंच से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करें। पुन: से समीक्षा बैठक पंद्रह दिन उपरांत आयोजित की जाने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त योजनाओं को पूर्ण करने की समय सारणी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। पंचायतें भी गुणवत्ता का ध्यान रखें, चूँकि आगे पंचायतों को ही योजनाओं का संचालन करना है। इस दौरान जिपं सीईओ जितेन्द्रसिंह चौहान, पीएचई सहायक यंत्री राठौर, समस्त सीईओ जनपद, सब इंजीनियर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नगरपालिका ने चलाया पशुओं की धरपकड़ का अभियान

झाबुआ। शहर के जागरूक नागरिकों द्वारा लगातार शिकायत एवं मीडिया द्वारा इस संबंध में समाचारों का प्रकाशन के बाद नगरपालिका अध्यक्ष कविता सिंगार, उपाध्यक्ष लाखनसिंह सोलंकी एवं नपा सीएमओ मिलन पटेल के निर्देश पर स्वच्छता शाखा प्रभारी टोनी मलिया के नेतृत्व में टीम ने शहर के मुख्य बाजार एवं गली-मौहल्लों में विचरण करने वाले पशुओं की धरपकड़ का अभियान चलाया। इस दौरान 3 गायों को पकड़कर वाहन से गौशाला भिजवाया गया एवं 8 गायों को पशु मालिका को सख्त हिदायत देकर उन्हें सुर्पद किया गया। नपा के स्वच्छता शाखा प्रभारी मलिया ने बताया कि टीम द्वारा शहर में जगह-जगह अभियान चलाकर मुख्य बाजार के साथ विभिन्न कॉलोनी एवं गली-मौहल्लों में विचरण करने वाले और बाजार में जमघट बनाकर बीच सड़क पर बैठने वाले पशुओं की धरपकड़ की गई। जिसमें स्वच्छता शाखा की टीम ने सफाई वाहन से पशुओं को पकड़ा। 3 गायों को पशु वाहन से श्रीकृष्ण गौ-सेवा सदन चारोलीपाड़ा छुड़वाया गया। नपा के इस अभियान के दौरान पशु मालिक भी सकते में आ गए और वह अपने पशुओं को छुड़ाने के लिए पहुंचे।

आबकारी ने जब्त की 60 हजार से अधिक की अवैध शराब

झाबुआ। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर संजय तिवारी द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के निर्देशन में 12 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ अ के ग्राम धन्नाडुंगरा में मुखबिर द्वारा बताये स्थान रिहायशी मकान की तलाशी लेने पर माउंटस 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन 22 पेटी (कुल- 264 बल्क लीटर) जप्त की गई। वही मौके से फरार अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 60 हजार 720 है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड का विरोध, पत्थर लेकर खड़ी हो गई महिलाएं

झाबुआ। स्थानीय नगर पालिका द्वारा ग्राम कुंडला में प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिए चयन की गई सरकारी भूमि पर विवाद गहरा गया है। शुक्रवार को तहसीलदार सुनील डावर के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम जब भूमि का सीमांकन हेतु कुंडला पहुंची, तब वहां ग्रामीणों ने जमकर विरोध जताया और देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस दौरान कुछ महिलाएं पत्थर लेकर खड़ी हो गईं, समझाईश के बाद महिलाएं मानी और दो दिन का समय दिया गया। तहसीलदार डावर ने बताया कि प्रशासनिक आदेशों के तहत सीमांकन के लिए टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए उन्हें दो दिन की मोहलत दी है। विवाद की स्थिति बनी थी,

महिलाएं पत्थर लेकर खड़ी हो गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो दिन प्रशासनिक आदेश का पालन करवाकर सीमांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और भूमि नगर पालिका को सौंप दी जाएगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन को सौपा ज्ञापन-विवाद के बाद ग्राम के ग्रामीणजन कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पिछले 50-60 वर्षों से इस भूमि पर खेती कर रहे हैं, जो उनकी आजीविका का मुख्य स्त्रोत है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि यह भूमि छीनी गई, तो वे बेघर और बेरोजगार हो जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने ट्रेंचिंग ग्राउंड बनने से प्रदूषण और बीमारियों के खतरे की आशंका जताई, साथ ही इस योजना को पूरी तरह निरस्त करने की मांग की।

कुंडला ग्राम पंचायत की पेसा ग्राम सभा ने भी इस भूमि आवंटन के खिलाफ ठहराव प्रस्ताव पारित किया है। पंचायत और ग्रामवासियों का कहना है कि वे किसी भी किमत पर इस भूमि पर कचरा डंपिंग की अनुमति नहीं देंगे। गौरतलब है कि झाबुआ नगरपालिका वर्तमान में एक अन्य ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरा डंप कर रही है, जहां आसपास के ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। नई जगह की तलाश में प्रशासन ने कुंडला की सरकारी भूमि को चुना, लेकिन यहां भी विवाद और विरोध ने मुश्किले खडी कर दी है।

एक नजर

महिलाओं को विभिन्न कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी

सशक्त महिला, सशक्त झाबुआ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झाबुआ। स्थानीय पुलिस लाइन में 12 जुलाई को सशक्त महिला, सशक्त झाबुआ कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल की पहल पर एवं अति. पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाकर झाबुआ को एक अपराध मुक्त एवं सुरक्षित जिला बनाना था। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश विधि सक्सेना द्वारा अपने संबोधन में महिलाओं को एनिमेशन आधारित प्रस्तुति के माध्यम से महिला सुरक्षा, अधिकारों और कानूनी सहायता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

उन्होंने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, पोक्सो अधिनियम 2012, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, बाल विवाह निषेध अधिनियम जैसे कानूनों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने साइबर अपराध और नए कानूनों की जानकारी भी साझा की। श्रीमती सक्सेना ने कहा कि आत्म सम्मान किसी भी व्यक्ति के जीवन की रीढ़ है और अगर कोई गतिविधि उस पर आघात करती है तो उसका विरोध करना चाहिए, ना कि उसे चुपचाप सहन करना। उन्होंने पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा चलाए जा रहे 卐रक्षा सखी अभियान卐 की प्रशंसा की और इसे महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में मधुलिका शुक्ल ने घरेलू हिंसा के प्रति महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि यदि किसी महिला के साथ कोई हिंसात्मक व्यवहार होता है, तो उसे चुप न रहकर तुरंत पुलिस में शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने

कहा कि हमें अपने आसपास हो रही ऐसी घटनाओं की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। बाल मनोवैज्ञानिक निवृति मिश्र (इंदौर) ने उपस्थित महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान हेतु उपयोगी सुझाव दिए। वहीं, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता मल्होत्रा ने महिला स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की और उपयोगी जानकारी प्रदान की। अति. पुलिस अधीक्षक महोबिया ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त प्रयास है, जिसमें न्यायिक अधिकारियों, विशेषज्ञों और पुलिस प्रशासन द्वारा महिलाओं का मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सक्रिय महिलाओं एवं अतिथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, पेटलावद अनुरक्ति साबनानी, थांदला नीरज नामदेव, डीएसपी कमलेश शर्मा, डीएसपी गिरीश कुमार जेजुरकर, सहित जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आई महिलाएं एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।